up the Gorakphur unit, to be set up at Gorakhpur.

Trains Detained at Jharsuguda (Orissa)

*246. SHRI SANATAN BISI: Will the Minsiter of RAILWAYS be pleased to state;

(a) whether Government are aware that all running trains were detained for about one hour at Jharsuguda (Orissa) in the morning of 6th July last due to harassment of the passengers by Railway Protection Force (Police);

(b) whether any enquiry is being conducted; and

(c) if so, what are the details thereof?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) जी हां। मुंबई जाने वाली गाड़ी नं० 8002 में मार्गरक्षी ड्यूटी पर तैनात रेल सुरक्षा बल के कर्मियों द्वारा कथित उत्पीड़न के विरुद्ध यात्रियों के प्रदर्शन के कारण 6.7.97 को झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन पर तीन गाड़ियों अर्थात गाड़ी नं० 8002 अप (हावड़ा-मुंबई मेल), गाड़ी नं० 8034 अप (हवड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस) और 8690 डाऊन (अलेपी-बोकारो स्टील सिटी एक्सप्रेस) को रुकना पड़ा था।

6.7.97 की इस घटना के बारे में दक्षिण पूर्व रेलवे के रेल सुरक्षा बल द्वारा की गई जांच से पता चला हैं कि टाटा रेलवे स्टेशन के गाड़ी मार्गरक्षी कम्पनी के रेल सुरक्षा बल के 4 कार्मिक मार्गरक्षी ड्यूटी के लिए गाड़ी में (नं० 8002) चल रहे थे। परंतु इन 4 कार्मिकों ने गाड़ी में यात्रियों के टिकट देखने शुरू कर दिए जिसके लिए वे प्राधिकृत नहीं थे। यात्रियों ने इसका विरोध किया। मार्गरक्षी दल की कार्रवाई के विरोध में यात्रियों ने उक्त गाड़ियों को रोका और वे रेलवे सुरक्षा बल के संबंधित कार्मिकों के निलंबन की मांग करने लगे। यात्रियों की शिकायत पर राजकीय रेलवे पुलिस, झारसुगुड़ा ने रेल सुरक्षा बल के मार्गरक्षी दल के विरुद्ध एक मामला दायर किया है। रेल सुरक्षा बल के कार्मिकों को 25.7.97 को गिरफ्तार किया गया था और 30.7.97 को अदालत ने उन्हें जमानत पर छोड़ दिया था। पुलिस में मामला दर्ज होने के अलावा दक्षिण पूर्व रेल प्रशासन ने रेल सुरक्षा बल के कार्मिकों के विरुद्ध बड़े दंड की अनुशासनिक कार्रवाई करके उन्हें 6.7.97 को निलंबित कर दिया है।

उपसभापति: अब आप जल्दी से अपना प्रश्न पूछ लीजिए।

श्री सनातन बिसि: मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह जो मिसयूज हो रहा है, इस पर आप फ्यूचर ऐक्शन क्या लेंगे?

श्री राम विलास पासवान: उपसभापति महोदया, जिन कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें आई हैं, मैंने अपने जवाब में भी कहा है कि इन चारों को उसी समय गिरफ्तार कर लिया गया। इनको 25.7.97 को गिरफ्तार किया गया और उसके बाद अदालत को सौंप दिया गया। रेलवे सुरक्षा बल के खिलाफ जो भी इस तरह की शिकायत हमारे सामने आती है, उस पर हम तुरंत कार्यवाही करते हैं। यदि माननीय सदस्य पिछले 3 सालों के आंकड़ें देखें तो हमें 1995 में 6, 1996 में 7 और जून, 1997 तक 2 रिबोर्ट्स मिली हैं और इन 15 मामलों में रेलवे सुरक्षा बल के 30 कर्मी शामिल पाए गए। इनमें से 13 कर्मियों को सेवा से हटा दिया गया, एक के रैंक में कटौती करके उसे दंडित किया गया, 8 कर्मियों की वेतन-वृद्धि पर रोक लगा दी गई और 5 कर्मियों के खिलाफ जांच-पड़ताल लंबित है। और तीन अदालती मामलों का सामना कर रहे हैं। तो इस तरह का खासकर रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारियों के खिलाफ जब हमारे पास में कोई शिकायत आती है चूंकि वह रक्षक हैं, उनका काम है रक्षा करना और अगर उनके खिलाफ इस तरह की शिकायत आती है तो उनके खिलाफ हम गहन छानबीन करते हैं और अगर यह सामने आता है कि वह सचमुच में दोषी हैं तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाती है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERES TO STARRED QUESTIONS

Gauge Conversion of Silchar-Lumding Railway line

*243. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that no work has started on broad gauge conversion of Silchar-Lumding Railway line despite announcement to this effect in 1996-97 Railway Budget;

(b) what are the reasons therefor;

(c) whether Government have any time frame for broad gauge conversion of Silchar-Lumding Railway line; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN):

(a) Yes, Sir.

(b) to (d) It is true that the physical work in the field is yet to start on broad gauge conversion of Lumding-Silchar line. However, for undertaking such a big project of lot of preliminary works such as preparation of working drawings, sanction of estimates, preparation of tender schedules and creation of proper establishment are required. These have been taken up and the tenders for earthwork and strengthening minor bridges, tenders will be floated shortly. The work would be executed on priority and completed in 7 to 8 years subject to availability of resources.

खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य

*244. **श्री राम जेठमलानी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नौंवी पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में खाद्यान्न उत्पादन के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) यदि हां, तो नौंवी पंचवर्षीय योजना के अंत तक देश में खाद्यान्न उत्पादन के कुल उत्पादन और खाद्यान्न की आवश्यकता की कुल मात्रा के संबंध में अनुमान क्या है; और

(ग) उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सरकार द्वारा वार्षिक उत्पादन की क्या दर निर्धारित की गई है और नौंवी पंचवर्षीय योजना के अंत तक खाद्यान्न की प्रति हैक्टेयर उत्पादन दर के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) से (ग) नौंवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) में कृषि क्षेत्र के लिए समग्र वार्षिक वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत होने की परिकल्पना की गई है। नौंवी योजना (1997-2002) की तैयारी के लिए योजना आयोग द्वारा कृषि जिन्सों की मांग तथा सप्लाई की जरूरतों तथा कृषि सांख्यिकी के सुधार संबंधी गठित कार्यकारी दल ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2001-2002 में खाद्यान्नों की कुल आवश्यकता 216.50 मिलियन टन होगी और खाद्यान्नों का सम्भावित उत्पादन 223 मिलियन टन होगा। नौंवीं योजना के दौरान खाद्यान्नों के उत्पादन के लक्ष्य को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। तथापि, 1997-98 के लिए खाद्यान्नों के उत्पादन का लक्ष्य 20 और 202 मिलियन मीटरी टन के बीच होने की संभावना है।

Growth rate of fertilizers

*247. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the growth rate of fertilizers was negative at minus at 2% in 1996-97 against a positive growth rate of 10.5% in 1995-96; and

(b) if so, what is the reason for this sharp decline?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) During 1996-97, the overall production of fertilizers registered a decline of 1.6% over 1995-96. The growth rate registered during 1995-96 was 8.6%.

(b) The main reasons for the decline in the growth of nitrogenous fertilizers during 1996-97 were as follows:

(i) equipment problems and gas supply constraints at the Rashtriya Chemicals & Fertilizers Limited (RCF) plants;

(ii) shortage of raw materials due to financial and movement constraints at the national Fertilizers Limited (NFL) plants;

(iii) extended unscheduled shutdown of the Indo-Gulf Fertilizers &